बकरियों के मुख्य रोग, बचाव एवं उपचार

क्र.सं.	लक्षण	बीमारी	बचाव एवं उपचार
1	ठण्ड से कँपकपी, नाक से तरल पदार्थ का रिसाव, मुँह खोलकर सांस लेना, खांसी, बुखार	निमोनिया	शीत ऋतु में बकरियों को छत वाले बाड़े में रखें, एन्टीबायोटिक 3 से 5 मिली., 3–5 दिन तक खांसी के लिए केफलोन पाउडर 6–12 ग्राम प्रतिदिन 3 दिन तक
2	पेट का बाँया हिस्सा फूल जाना व दबाने पर डोल की तरह बजना, पेटदर्द, पेट पर पैर मारना, साँस लेने में तकलीफ	आफरा	चारा व पानी तुरन्त बंद कर दे, 1 चम्मच खाने का सोढा या टिम्पोल पाउडर 15–20 ग्राम, 1 चम्मच तारपीन का तेल व 150–200 मिली. मीठा तेल पिलाएँ
3	खूब सारे छाले होठों व मुँह की श्लेश्मा पर, कभी–कभी खुरों पर भी जिससे लंगड़ापन	ओरफ/मुँहा	मुँह को दिन में दो बार लाल दवा/फिनाइल/डिटॉल आदि के हल्के घोल से धोएँ, मुँह तथा खुरों पर लोरेक्सन/बिटाडिन लगायें
4	मुँह व पैरों में छाले जो घाव में बदल जाते हैं, अत्यधिक लार स्त्रवण, लंगड़ापन, बुखार, दूध में एकदम से गिरावट	मुँहपका–खुरपका	संक्रमित बकरी को अन्य बकरियों से अलग कर मुँह व पैरों के घावों को लाल दवा/डिटॉल के हल्के घोल से धोएं व बाद में लोरक्सन/चर्मिल लगाएँ, एन्टिबायोटिक व बुखार का टिका (मेलोनेक्स/वेटालजिन 5 मिली.)
5	थोड़े–थोड़े अन्तराल से तरल रूप में मल की निकासी, कमजोरी	दस्त (छैर)	नेबलोन पाउडर 15–20 ग्राम 3 दिन तक, अगर दस्त में खून आ रहा हो तो वोक्ट्रीन गोली ½ (आधी) सुबह एवं शाम नेबलोन पाउडर के साथ या पाबाडीन गोली देवें।
6	थनों में सूजन, दूध में फटे दूध के थक्के, बुखाार	थनैला	साफ–सफाई का ध्यान रखें, एन्टिबायोटिक को थनों में इंजेक्शन के साथ डालें/पेन्डेस्ट्रीन ट्यूब एक थन में एक पूरी डालें व 3–5 दिन तक इसे दोहराएँ
7	गर्भधारण की अंतिम अवस्था में गर्भपात, प्लेसेन्टा (ऑवल) का नहीं गिरना	ब्रुसेलासिस	संक्रमित बकरी को अलग करें, टीकाकरण करावें
8	वजन में कमी, दस्त, दूध में कमी	आंतरिक परजीवी संक्रमण	अच्छा चारा व साफ पानी की व्यवस्था, पैनाकुर, नीलवर्म आदि से डिवर्मिंग हर 3 महीने के बाद
9	खुजली, वजन में कमी, चिड़चिड़पन, दूध में कमी	बाह्य परजीवी संक्रमण	उपयुक्त पाउडर का प्रयोग धूल, स्प्रे या डिप के रूप में
10	पेट दर्द, चिल्लाना, पैर पेट पर मारना, दस्त	ऐन्टेरोटोक्सेमिया (फड़किया रोग)	टीकाकरण, एन्टिबायोटिक व एन्टासिड

डॉ. जी. सी. गहलोत
प्रभारी बकरी–परियोजना

डॉ. कर्मवीर सैनी
सह अनुसंधानकर्ता

।पशुधनं नित्यं सर्वलोकोपकारकम्।

भाकृअनुप
ICAR

अखिल भारतीय समन्वित बकरी अनुसंधान परियोजना
पशु आनुवांशिकी एवं प्रजनन विभाग
पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर